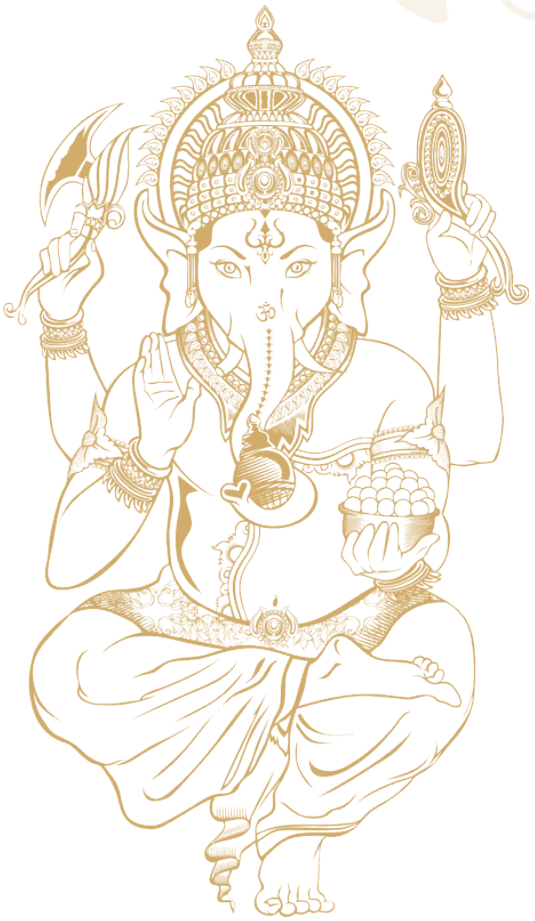

Ms.

12 Apr 2026

04:36 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121912002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12/04/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**16:36:00 घंटे**
इष्ट	26:16:55 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:05:28 घंटे
वेलान्तर	-00:00:49 घंटे
साम्पातिक काल	05:28:08 घंटे
सूर्योदय	06:05:13 घंटे
सूर्यास्त	18:58:03 घंटे
दिनमान	12:52:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	28:19:39 मीन
लग्न के अंश	28:59:08 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	साध्य
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	28:59:08	307:29:05	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			मीन	28:19:39	00:58:52	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मक	24:03:25	12:42:49	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	मीन	07:49:59	00:46:39	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	मित्र राशि
बुध			मीन	02:07:16	01:19:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	नीच राशि
गुरु			मिथु	22:29:06	00:05:48	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	21:29:17	01:13:27	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:44:10	00:07:19	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु			कुंभ	13:52:45	00:01:42	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	13:52:45	00:01:42	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:04:04	00:02:58	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:24:05	00:02:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:08:52	00:00:40	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			वृष	28:27:33	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

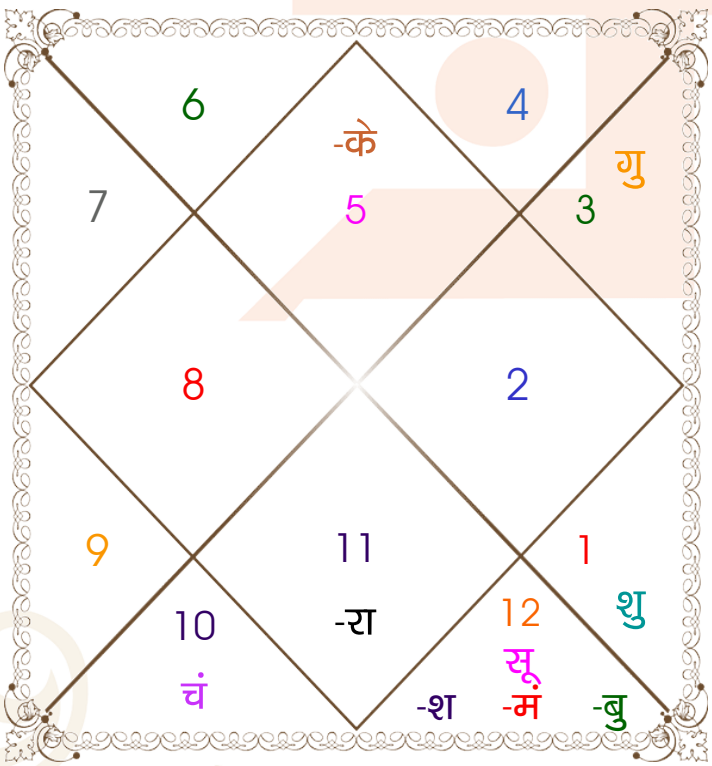

चन्द्र कुंडली

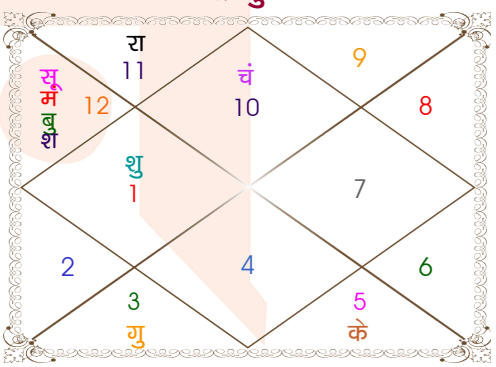

नवमांश कुंडली

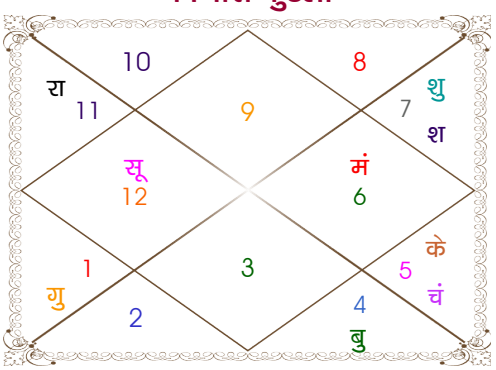

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 7 मास 13 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
12/04/2026		24/11/2032		25/11/2050		25/11/2066		24/11/2085	
24/11/2032		25/11/2050		25/11/2066		24/11/2085		26/11/2102	
मंगल	23/04/2026	राहु	07/08/2035	गुरु	12/01/2053	शनि	27/11/2069	बुध	22/04/2088
राहु	11/05/2027	गुरु	31/12/2037	शनि	26/07/2055	बुध	07/08/2072	केतु	19/04/2089
गुरु	16/04/2028	शनि	06/11/2040	बुध	31/10/2057	केतु	15/09/2073	शुक्र	18/02/2092
शनि	26/05/2029	बुध	26/05/2043	केतु	07/10/2058	शुक्र	15/11/2076	सूर्य	25/12/2092
बुध	23/05/2030	केतु	13/06/2044	शुक्र	07/06/2061	सूर्य	28/10/2077	चंद्र	26/05/2094
केतु	19/10/2030	शुक्र	14/06/2047	सूर्य	26/03/2062	चंद्र	29/05/2079	मंगल	23/05/2095
शुक्र	19/12/2031	सूर्य	07/05/2048	चंद्र	26/07/2063	मंगल	07/07/2080	राहु	10/12/2097
सूर्य	25/04/2032	चंद्र	06/11/2049	मंगल	01/07/2064	राहु	14/05/2083	गुरु	18/03/2100
चंद्र	24/11/2032	मंगल	25/11/2050	राहु	25/11/2066	गुरु	24/11/2085	शनि	26/11/2102

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/11/2102		25/11/2109		25/11/2129		26/11/2135		25/11/2145	
25/11/2109		25/11/2129		26/11/2135		25/11/2145		00/00/0000	
केतु	24/04/2103	शुक्र	27/03/2113	सूर्य	15/03/2130	चंद्र	25/09/2136	मंगल	13/04/2146
शुक्र	23/06/2104	सूर्य	27/03/2114	चंद्र	14/09/2130	मंगल	26/04/2137		00/00/0000
सूर्य	29/10/2104	चंद्र	26/11/2115	मंगल	19/01/2131	राहु	26/10/2138		00/00/0000
चंद्र	30/05/2105	मंगल	25/01/2117	राहु	14/12/2131	गुरु	25/02/2140		00/00/0000
मंगल	26/10/2105	राहु	26/01/2120	गुरु	01/10/2132	शनि	26/09/2141		00/00/0000
राहु	13/11/2106	गुरु	26/09/2122	शनि	13/09/2133	बुध	25/02/2143		00/00/0000
गुरु	20/10/2107	शनि	25/11/2125	बुध	21/07/2134	केतु	26/09/2143		00/00/0000
शनि	28/11/2108	बुध	25/09/2128	केतु	26/11/2134	शुक्र	27/05/2145		00/00/0000
बुध	25/11/2109	केतु	25/11/2129	शुक्र	26/11/2135	सूर्य	25/11/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 7 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगी। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगी। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। पुरुष सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगा। आप अपने पति को प्यार नहीं करेंगी। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगी।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगी। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकती हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगी। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाती हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहती हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगी। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपनी प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकती हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगी परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय की ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेती हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगी। आप सदैव ही

जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगी। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगी। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।